>

Title : Need to advertise ill-effects of tobacco usage through pictorial health warnings.

श्री हर्ष वर्धन (महाराजगंज, उ.प्र.): भारत सरकार द्वारा किए गए एक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में देश में 15 वर्ष से ऊपर की आबादी का लगभग 35 प्रतिशत तंबाकू का किसी न किसी रूप में प्रयोग करती है। पुरूषों की कुल आबादी का 48 प्रतिशत एवं स्त्रियों की कुल आबादी का 20 प्रतिशत इस रिपोर्ट के अनुसार तंबाकू का सेवन कर रहा है। अनुमानतः भारत में लगभग 2.75 करोड़ की आबादी तंबाकू का सेवन कर रही है। विश्व में तंबाकू सेवन में वर्तमान में भारत दूसरे स्थान पर है, यह स्थिति अत्यंत विकट एवं भयावह है।

सम्पूर्ण विश्व में लगभग 50 लाख व्यक्तियों की प्रतिवर्ष तंबाकू सेवन के उपयोग से मृत्यु होती है, जिसमें लगभग 8-9 लाख व्यक्ति भारत के होते हैं। टी.बी. से देश में मरने वाले व्यक्तियों में से लगभग 40 प्रतिशत व्यक्ति धूम्रपान के कारण मरते हैं। वर्तमान में धूम्रपान में कमी आई है परंतु गुटका, खैनी, पान मसाला, गुल आदि खाने वालों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हो रही है।

सम्पूर्ण विश्व में तंबाकू सेवन से होने वाली बीमारियों से चित्रों द्वारा चेतावनी दिया जाना प्रभावशाली साबित हुआ है। वर्तमान में सरकार की घोषित नीति के बावजूद तंबाकू सेवन के कुप्रभाव को प्रचारित करने वाले चित्रों द्वारा चेतावनी निहित स्वार्थों के कारण प्रभावी रूप से लागू नहीं हो पाई है।

अस्तु मेरा सरकार से आग्रह है कि तंबाकू सेवन और विशेषकर खाये जाने वाले तंबाकू पदार्थों से होने वाली मुंह, गला एवं फेफड़े के कैंसर एवं अन्य बीमारियों से रोकथाम के लिए सरकारी नीति के अनुसार चित्रों द्वारा चेतावनी का व्यापक प्रसार जनहित में अविलम्ब किया जाये।